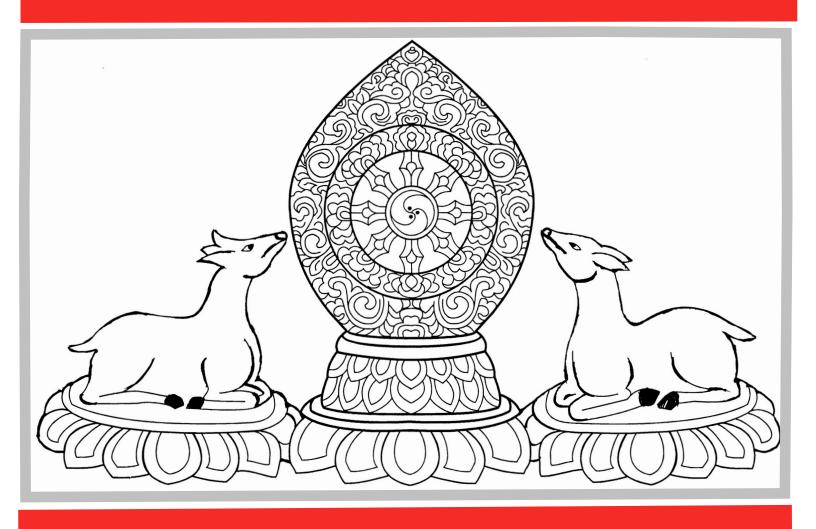
७७। शित्रायाम्याम्यास्या



त्र'नहुत'न्ये'पर'

७९। शिर्यायम्य मेरिये देश्री

क्ष्रीत्रायार्षित्रायेषित्रायेष्ट्रित्राय्येष्ट्रित्रा द्रायेष्ट्रा व्यायेष्ट्रा व

द्ये देश चित्र विश्व शु चु प्यम श्रुय माश्रुय चित्र देश के प्या की स्ट प्या की प्रत्य के प्या की प्रत्य के प्या की प्रत्य के प्या की प्रत्य की स्ट प्या की प्रत्य की स्ट प्या की प्रत्य की की स्ट प्रत्य की प

चुःश्वाःमान्नेशःसमाः पदेः। मन्नेशः चित्रः प्राप्तः प्राप्तः। मन्ने प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः। प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः। प्राप्तः प्रापतः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः प्रापतः प्

नेते अधरायभान्यार नया यहिषा चिषा यह तर्यो ८८.८४.७मुंद्रि.चर.श्री८.ज.८मी.श्रमा.मी.जश.८पार.प्रमा. मार्रेशर्रादेशयम् अर्देता देः यद्भारमे प्रते प्रश्चाण्या द्यार्शेट्रा क्षेप्ता यम शेट्रा स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्व अर्गे में युर्द्र न दुम्बा क्या दर्गे न दे दूर न दर्ग द्रमे निवेष्यराण्येषासर्वित्रस्थासु स्रोप्ता विषाधित ता सर्वत स्रीतः त्व'र्दर'ण्रैश'ष्ठ्रच'यदश'माट'र्द्र'त्य'है'र्दर'र्वम'सर'र्यम' याक्षातुर्दायमा भेतर्त्या वद्गार्यस्था वद्गार्यस्था र्शेम्याण्चे सूरायापकरा ययास्यापताच्चेयायमायया

नणुमारान्यायमित्यमः त्रीयायाने। दनः सेटानु पर्मी निवे नम्ब्रीन्याद्वस्याद्वेष्ट्रेगायदेष्ययाण्चेयाम्प्रम्प्रम्य यम्यन्यायान्या वयावान्याययायायात्रावहेयायासु रुट'नश'वमा'पश'नश्मश्यक्षराद्येद'पदे'दिम्मश'श्रूट' न्यमाभेन सु नामर्केना नने पर्योपे नम श्रीन प्येन न ने पर्वेपिहिमार्थाञ्चरासेता परार्वेश्वर्तरासी क्षासाधिता न्ध्याना धेर्मशा द्रायमेंदिरमोर्परमञ्जा वर्षिर प्रावर्षिर प्रवेशमान्यायायम् प्राप्त माया द्वा प्राप्त या यम् अर्केता अवतः भ्रीमाणका र्युमाका सु प्राप्त प्रस्था र्वेट प्रायम्य निष्ठ निष्ठ विष्य विष्य निष्ठ विष्य निष्ठ विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय यवै हेत वर्रोय अर्देत है। नसुर्या में प्यते प्यये प्यस द त्रों न या केंद्र या भूमा साम्मा साम्मा स्वाप्त्र साम्मा हेन'यर्रोय'ग्री'मान्य'स्माय'संह्यानेहा द्यांशेन'

थेर'ग्रेर'य'महेन'न्य श्रीन'र्ड'र्यमा'रु'मत्रदा हे'रमो'र्ह्षमा मो'प्रश्रायामु'र्केश'रु'प्रह्मा'प्रम्'रेट्टेर'पर्दे। गाँभेशायमाहाँ आयम नेशायमानी यहाने हा में में में प्राचिता अर्टें त' हे। ह' अषित' ग्रें श' ह' अ' के 'कु द' न व द' दि ' श्रे' र्केमार्या या विष्या या विष्य में विषय में या विषय में वि श्चेत्र मुप्त भेर्य के क्रा प्राप्त माना माना मित्र मुर्गे के माना से क्रा के क्रा के माना से क्रा के त्रेर'य'धेव॥ गशुरुप्या होतुः नेटा हेराग्वरुषायर होराया है। इसानेश णु हेन प्रत्रेया अर्देन है। हेतुरा भेट मी हे मारेगा नरा गठिगानु पकुर रे पर्से पर्से र वेर ये सम्बेर विश्व विश्व विश्व

 स्यामदायार्स्रदायमान्त्र्यात्त्र्वा क्षेष्ठित्र्याम् नित्र्यात्यात्त्र्यात्त्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्

त्रुमायम् स्थित्व स्वाप्त प्रदेश प्र

र्यभायमायमिषायदे यदे या भेषितमासु से हिंगमाया सुरा रेगा'यदे'हेद'द्रोय'ग्रे'कें'कॅ'ग्रा 'द्रम सुरा'य'र्सेग्रा यदे'रेग'गु'गद्रमद्याद्यस्य गुद्रमे भूरोरेग ब्रूट'न'र्यअ'यश'वुट'नदे'र्क्रेंर'न'नरे'र्स्गार्हेग्यार्भर शुट'से'बुच'यदे'मान्याभ्रम्ययाधेन'यदे'सुर्गा नर्वापरक्षेमायासद्यः बुमायर नेशायाकी क्रिंग्नरे हेन'यर्चेयासर्वेन'हे। सेमा'यासन्य तुमासाम्मा हु'र्वेन' न'स्मा'नस्य'८८'मेशसेु'न'स्मा रेगा'य'रे'हैर'नुश'य' न्याकेरासुरात्र्यादान्दा प्रद्या द्वाहे भूरारेगा य'क'रेवे'र्केर'च'चरे'स्या'८८'यीशस्चे'चवे'सेरा नमुन्यम्भेगनुक्रात्युरानम्नेगयाने। शेन्यवै हेन'य्रेय'अर्केन'हे। कर'य्श्रूर'क्षेश'तुश'कर'मी'र्ने'न' शुट्राचान्द्रे कमारालन स्टर्भमाराणीया सेया हे स्टर शेशराने या माणेटा ना शेना शेना स्थाप स्थाप

न्देशस्य प्रम्थान्य विष्ठा ने न्द्रा ने प्रमाय का ने प्रमाय के प्

नगु'सर'श्वेतुराभेट'र्नग'येक'सर'र्चेरा'स'के। येक'सदे' हेन'यर्त्रेय'सर्वेन'हे। ह्येतुर्य'रूट'मी'भेन'नु'र्वेट'यर्देशेट' र्नेगायाशेससार्थावेटायमानुयेन्यन्नराक्रमा सेना य'ने'भैन'मशकेर'र्शेट'क्श'यर्नेन'यये'न्देश'र्ये'न्दर'न् येव'यदे'शेशश'रय'र्'गर्थे'यर'र्नेर'यदे'र्नेर्या पदुः परः गुर् भेर् श्रूमा सरः ग्रीया यो श्रीर परि हेतः सर्देन'र्5'र्सुगर्याभ्रम'स्यानेयाणे सेट'र्'पर्'रीर'णे' यशमादायदार्यदायमाः कमाशायलमाः याशेदायेतः ग्रैशमार्शेशपम्पासे प्रमाणे त्रापासयुकेत पुराष्ट्र नङ्गिरुमार्थस्य सुग्गान्य द्यान्य न्या है। क्षेप्ति हेन प्रतिया अर्थेन है। सुगा्मा अप्यान्य स्था है। स्था्मा अप्यान्य स्था है। स्थाःमा अप्यान्य स्था है। स्थाःमा स्था है। स्था ह

वेदि इस धर्य दके यद्या मी । य दूर मृद्यमा यविषाद्या 5'नवुट'नर'भैर्याय'दी यय'न्ट'हेंद'र्सेट्य'यदे'न्नट' मैश्राश्चित्रपादित्र क्षेष्ठायाये वाया अध्यापिका यनमामी नयदातु आ शुराया केताया निष्यदाया ने प्यदाया ने प्रवादाया ने प्रवादाय ने प्रवादाया ने प्रवादाय ने प्या ने प्रवादाय ने प्रवादाय ने प्रवादाय ने प्रवादाय ने प्रवादाय ने गिर्देश'र्याया प्रेम'राहे श्रेन'प्रेम'रादे स्याया श्रम्यापाने श्रेन श्रेन स्वापकेते स्वाप्यस्यापिक श्रेम शुटाक्टेश्चेराक्टेरवयासवरासेरान्यराह्मार्प्रावर्षरानरा सर्वेदायाधेता हेटानु त्राचिया नुमाया महता मेथाया है। स्या नस्या अवत नया नि नये नि न सुरा प्राया अवा न5्रानवे'स्रम्गभाशुर्यामर्देयामदेग्यम्यामुर्याणे में प्रयम् अर्देन या पेता ने या यम्या मुया नरें या थ्रम वर्षाणेषायुगायमुप्या हे यसूत्रायां है। वे यासुप्य वर्षा परे सि.ये.बुबाश ह्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त मी. भक्ष ह्या प्रक्री ग्रै'यहेट'रु'हगा'रु'यमिंर'य'यश'षर'र्र्शकेर'यश'यमें'

यद्याने व प्रविदेश्वद रें म्या अर्थे व प्रवे प्रविद्या प्रविद्या व वर्में न मेमार्स्य द्वा मो र्रेन न दुन ग्रे न में न स्या स्या नर्या नरेत्र या अर्केता नत्या ग्री मु या समा मासुस मुन्ना हेत्यायदेगान्य मुद्दान्य हेत्या स्ट्रा स्ट्रा न्गार नगामहेश ग्रेश प्रशामशाणे गान प्रमुद्ध सर्वेना हेन त्रोयान्युगारेशाणुर्भार्भेशात्रिमानाहिष्ट्रमात्रिमानते। र्द्यान्या युगायदे भागक्रम ग्रीशायमायनेमा त्रापायमा यानेशालीयायनेतासर्वेतालेटा नेपायर्डेशास्त पर्याण्यास्यापम्प्रापाने प्रयापित्राप्राप्ते प्रयापित्राप्ता वि'न'सुट'एन्स'हे'सुर'र्घेन'यदे'वनस'सर्वेद'य'धेता देशक्षान्व भी यदे यदे क्षा मुक्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स

प्राचित्र स्वास्त्र स्वास

